



## **IIM Raipur Strengthens Academic and Research Ties with Singapore**

**Raipur, 20<sup>th</sup> August, 2025:** The Indian Institute of Management Raipur (IIM Raipur), NIT Raipur, and IIT Bhilai jointly engaged in a high-level dialogue with Mr. Jerome Wong, Consul (Political), Consulate-General of the Republic of Singapore and Ms. Ericka, to explore new avenues of academic and research partnerships. The meeting took place against the backdrop of the 60th anniversary of Singapore-India diplomatic relations and was aimed at deepening cooperation in the areas of education, innovation, and skill development.

The meeting was attended by senior institutional leaders including Prof. Sanjeev Prashar, Director-In-Charge, IIM Raipur, Prof. Rajiv Prakash, Director, IIT Bhilai, Dr. N.V. Ramana Rao, Director, NIT Raipur, Mr. Ajit Bhatpahari, GM-CSTDC, Prof. Sumeet Gupta, IIM Raipur, and Dr. Anuj Shukla, NIT Raipur.

The discussions covered a wide spectrum of opportunities of collaboration between the Government of Singapore and the State Government of Chhattisgarh. Chhattisgarh, with its growing industrial base, was highlighted as a potential hub for semiconductor development and related collaborations. Avenues to bring in joint courses with the universities of Singapore and expanding the international student exchange programs were also explored as future areas of cooperation.

The Singaporean representatives expressed willingness to facilitate linkages between Indian institutes and the universities in Singapore, enabling collaborative research, student exchanges, and dual-degree programs. The importance of data centers and digital infrastructure was also underscored as a key enabler for these collaborations.

The representatives of the Government of Chhattisgarh and the Government of Singapore explored possibilities of collaboration between institutions located in Chhattisgarh and Singapore—including universities, industries, and policy bodies.

All leaders reiterated their shared vision of creating platforms where Indian and Singaporean institutions could jointly contribute to research, innovation, and sustainable development. By combining India's innovation-driven educational institutions with Singapore's expertise in skill-oriented pedagogy and research, the initiative aims to create globally relevant programs that prepare students for the future.

The meeting ended on a positive and forward-looking note, marked by a felicitation ceremony at IIM Raipur, and a commitment to charting a roadmap for the joint initiatives discussed.

---

### **About IIM Raipur:**

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2024, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 14th in the MHRD-



NIRF Business Ranking 2024, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.

For more information, visit: [www.iimraipur.ac.in](http://www.iimraipur.ac.in)





## **भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने सिंगापुर के साथ शैक्षणिक एवं शोध सहयोग को मजबूत किया**

**रायपुर, 20 अगस्त, 2025:** भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर (भा.प्र.सं. रायपुर), एन.आई.टी. रायपुर तथा आई.आई.टी. भिलाई ने संयुक्त रूप से सिंगापुर गणराज्य के महावाणिज्य दूतावास के कौंसल (राजनीतिक) श्री जेरोम वॉंग एवं सुश्री एरिका के साथ उच्च-स्तरीय संवाद किया। इस बैठक का उद्देश्य शैक्षणिक एवं शोध सहयोग के नए मार्ग तलाशना था। यह बैठक भारत-सिंगापुर राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ की पृष्ठभूमि में आयोजित की गई तथा शिक्षा, नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा बनाने पर केंद्रित रही।

बैठक में वरिष्ठ शैक्षणिक लीडर्स ने भाग लिया, जिनमें प्रो. संजीव प्राशर, निदेशक-प्रभारी, भा.प्र.सं. रायपुर; प्रो. राजीव प्रकाश, निदेशक, आई.आई.टी. भिलाई; डॉ. एन.वी. रमण राव, निदेशक, एन.आई.टी. रायपुर; श्री अजीत भटपहाड़ी, जी.एम.-सी.एस.टी.डी.सी.; प्रो. सुमीत गुप्ता, भा.प्र.सं. रायपुर; तथा डॉ. अनुज शुक्ला, एन.आई.टी. रायपुर उपस्थित रहे।

चर्चाओं में सिंगापुर सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के बीच सहयोग के व्यापक अवसरों पर विचार हुआ। छत्तीसगढ़ को उसके बढ़ते औद्योगिक आधार के कारण सेमीकंडक्टर विकास और उससे संबंधित सहयोग का संभावित केंद्र बताया गया। सिंगापुर के विश्वविद्यालयों के साथ संयुक्त पाठ्यक्रम शुरू करने तथा अंतरराष्ट्रीय छात्र विनिमय कार्यक्रमों के विस्तार पर भी सहमति बनी।

सिंगापुर के प्रतिनिधियों ने भारतीय संस्थानों और सिंगापुर के विश्वविद्यालयों के बीच शोध सहयोग, छात्र विनिमय एवं दृष्टि-डिग्री कार्यक्रमों की संभावनाओं को साकार करने के लिए सक्रिय सहयोग की इच्छा व्यक्त की। इन सहयोगों को सक्षम बनाने के लिए डेटा सेंटर और डिजिटल अवसंरचना की महत्ता पर भी बल दिया गया।

छत्तीसगढ़ सरकार और सिंगापुर सरकार के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ एवं सिंगापुर में स्थित विश्वविद्यालयों, उद्योगों और नीतिगत निकायों के बीच सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

सभी लीडर्स ने साझा दृष्टिकोण को दोहराया कि भारत और सिंगापुर के संस्थान मिलकर शोध, नवाचार और सतत विकास के लिए मंच तैयार करें। भारत के नवाचार-उन्मुख शैक्षणिक संस्थानों और सिंगापुर



की कौशल-आधारित शिक्षण एवं शोध विशेषज्ञता को मिलाकर वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक ऐसे कार्यक्रम बनाए जाएंगे जो विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करें।

बैठक का समापन सकारात्मक और आशावादी वातावरण में हुआ, जिसे भा.प्र.सं. रायपुर में आयोजित सम्मान समारोह ने और विशेष बना दिया। इस अवसर पर साझा पहलों की रूपरेखा तैयार करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की गई।

### **भा.प्र.सं. रायपुर के विषय में:**

सन् 2010 में स्थापित भा.प्र.सं. रायपुर गतिशील नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने वाला एक प्रमुख केंद्र है, जो उन्हें व्यवसाय क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु आवश्यक ज्ञान, अनुभव और सशक्त संपर्क प्रदान करता है। संस्थान के पास विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों के 50 से अधिक प्रख्यात अध्यापक तथा देश के 700 से अधिक प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएँ हैं। वर्ष 2024 में संस्थान ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त कीं— एम.एच.आर.डी.-एन.आई.आर.एफ. बिज़नेस रैंकिंग 2024 में 14वाँ स्थान, सी.एस.आर.-जी.एच.आर.डी.सी. बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान तथा आउटलुक-आई.केयर सूची में 8वाँ स्थान हासिल किया। हम देश के सबसे तेज़ी से विकसित हो रहे प्रबंधन संस्थानों में से एक हैं। छत्तीसगढ़ की राजधानी नया रायपुर में स्थित हमारा नवीन, अत्याधुनिक परिसर आधुनिक स्थापत्य को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति एवं विरासत से जोड़ते हुए एक प्रेरणादायी शिक्षण वातावरण प्रदान करता है।

अधिक जानकारी के लिए देखें: <http://www.iimraipur.ac.in>